



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 414]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 18, 2019/आषाढ़ 27, 1941

No. 414]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 18, 2019/ASHADHA 27, 1941

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 2019

सं. 33/2019—केन्द्रीय कर

सा.का.नि. 513(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय माल और सेवा कर नियम, 2017 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय माल और सेवा कर (पांचवां संशोधन) नियम, 2019 है।
(2) इन नियमों में जैसा अन्यथा उपबंधित है, के सिवाय, ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- केन्द्रीय माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिन्हें इसमें इससे पश्चात्, उक्त नियम कहा गया है) के नियम 12 के उपनियम (1क) में,-
(क) “को रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति” शब्दों के पश्चात्, “कटौती करने के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति या” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे ;
(ख) “के उपबंधों के अनुसार” शब्दों के पश्चात्, “यथास्थिति, धारा 51 के उपबंधों के अनुसार या” शब्द और अंक अन्तःस्थापित किए जाएंगे।
- उक्त नियम के नियम 46 के चौथे परंतुक में, 1 सितम्बर, 2019 से, “परंतु यह भी कि कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति” शब्दों के पश्चात्, “बहुविद्ध स्क्रीन में सिनेमा फिल्मों के प्रदर्शन में प्रवेश के माध्यम से सेवाओं की पूर्ति करने में लगे हुए पूर्तिकार से भिन्न” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

4. उक्त नियम के नियम 54 में, उपनियम (4) के पश्चात् 1 सितम्बर, 2019 से निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(4क) बहुविध स्क्रीनों में सिनेमा फिल्मों के प्रदर्शन में प्रवेश के माध्यम से सेवाओं की पूर्ति करने वाला रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह इलेक्ट्रॉनिक टिकट जारी करे और उक्त-इलेक्ट्रॉनिक टिकट अधिनियम के सभी प्रयोजनों के लिए कर बीजक के रूप में समझी जाएगी, भले ही ऐसे टिकट में सेवा के प्राप्तिकर्ता के ब्यौर अन्तर्विष्ट क्यों न हो किन्तु इसमें नियम 46 के अधीन यथा उल्लिखित अन्य सूचना अन्तर्विष्ट हो:

परंतु बहुविध स्क्रीनों से भिन्न स्क्रीन में ऐसी सेवा का पूर्तिकार, अपने विकल्प पर उपरोक्त प्रक्रिया का पालन कर सकेगा।”

5. उक्त नियम के नियम 83क के पश्चात्, ऐसी तारीख से, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए, निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“83ख. माल और सेवा कर व्यवसायी के नामांकन का प्रस्तुतिकरण.-

(1) माल और सेवा कर व्यवसायी, जो अपने नामांकन को प्रस्तुत करने की वांछा करता है, सामान्य पोर्टल पर या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से **प्ररूप जीएसटी पीसीटी-06** में आवेदन इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत करेगा।

(2) आयुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी ऐसी जांच जो वह ठीक समझे करवाए जाने के पश्चात् और **प्ररूप जीएसटी पीसीटी-07** में आदेश द्वारा ऐसे व्यवसायी के नामांकन को रद्द कर सकेगा।”

6. उक्त नियम के नियम 137 में, “दो वर्ष” शब्दों के स्थान पर, “चार वर्ष” शब्द रखे जाएंगे।

7. उक्त नियम के नियम 138ड के पहले परंतुक में,-

(क) “परंतु आयुक्त” शब्दों के पश्चात्, “**प्ररूप जीएसटी ईडब्ल्यूवी-05** में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से आवेदन की प्राप्ति पर” शब्द, अक्षर और अंक रखे जाएंगे;

(ख) “वे कारण, जो आदेश द्वारा लेखबद्ध किए जाएं” शब्दों के स्थान पर, “वे कारण, जो आदेश द्वारा **प्ररूप जीएसटी ईडब्ल्यूवी-06** में लेखबद्ध किए जाएं” शब्द, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।

8. उक्त नियमों में **प्ररूप जीएसटी पीसीटी-05** के पश्चात् ऐसी तारीख से, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए, निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

“प्ररूप जीएसटी पीसीटी-06 [नियम 83ख देखिए] माल और सेवा कर व्यवसायी के रूप में नामांकन के रद्दकरण के लिए आवेदन	
1. जीएसटीपी नामांकन सं.	
2. जीएसटी व्यवसायी का नाम	<ऑटो पोपुलेटेड>
3. पता	<ऑटो पोपुलेटेड>
4. नामांकन के रद्दकरण के प्रभाव की तारीख	
मैं, नीचे उल्लिखित कारण(कारणों) से जीएसटी व्यवसायी के रूप में नामांकन के रद्दकरण के लिए अनुरोध करता हूं। 1. 2. 3.	
घोषणा उपरोक्त घोषणा मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मैं यह वचनबंध करता हूं कि मैं ऐसे रद्दकरण से पहले जीएसटी व्यवसायी के रूप में अपने कार्यों के लिए दायी बना रहूंगा। <div style="text-align: right;">(हस्ताक्षर)</div>	
स्थान : तारीख :	

11. उक्त नियमों के प्ररूप जीएसटी इडब्ल्यूबी-04 के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“प्ररूप जीएसटी इडब्ल्यूबी-05		
[नियम 138ड देखें]		
ई-वे बिल के सृजन के लिए सुविधा को अनिरुद्ध करने की अवधि		
1	जीएसटीआईएन	<आटो पोपुलेटेड>
2	विधिक नाम	<आटो पोपुलेटेड >
3	व्यापार का नाम	<आटो पोपुलेटेड >
4	पता	<आटो पोपुलेटेड >

“प्ररूप जीएसटी ईडब्ल्यूबी-05		
[नियम 138ड देखें]		
ई-वे बिल को सृजित करने की सुविधा को अनिरुद्ध करने के लिए आवेदन		
1	जीएसटीआईएन	<स्वतः>
2	विधिक नाम	<स्वतः>
3	व्यापार का नाम	<स्वतः>
4	पता	<स्वतः>
5	प्ररूप जीएसटी ईडब्ल्यूबी-01 के भाग का 'क' में सूचना देने की सुविधा (अर्थात् ई-वे बिल को सृजित करने की सुविधा) तारीख.....अनिरुद्ध की जाती है	<स्वतः>
6	ई-वेबिल को सृजित करने की सुविधा को अनिरुद्ध करने के कारण	<उपयोक्ता इनपुट>
(i)		
(ii)		
(iii)		
7	व्यतिक्रम के अधीन अवधि के लिए विवरणी फाइल करने की प्रत्याशित तारीख	<उपयोक्ता इनपुट>

8. सत्यापन

मैं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता/करती हूं और यह घोषणा करता/करती हूं कि इसमें ऊपर दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

नाम

नाम/पदनाम/प्रास्थिति

तारीख:

स्थान:

प्ररूप जीएसटी ईब्ल्यूबी-06

[नियम 138ड देखें]

संदर्भ सं. :

तारीख:

सेवा में

_____ जीएसटीआईएन

----- नाम

_____ पता

ई-वे बिल सृजित करने की सुविधा को अनिरुद्ध करने हेतु आवेदन मंजूर/नामंजूर करने का आदेश

एआरएन आवेदन:

तारीख:

केन्द्रीय माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम 138ड के निबंधनानुसार तारीख से ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के संबंध में ई-वे बिल सृजित करने की सुविधा निरुद्ध की गई थी।

मैंने मामले के तथ्यों और ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा किए गए आवेदन/अनुरोधों पर ध्यानपूर्वक विचार किया है।

मैं आवेदन स्वीकार करता हूं और निम्नलिखित आधारों पर ई-वे बिल को सृजित करने की सुविधा को अनिरुद्ध करने का आदेश करता हूं :

- 1.
- 2.

कृपया नोट करें कि सिस्टम में (तारीख) के पश्चात् ई-वे बिल सृजित करने की सुविधा अवरुद्ध कर दी जाएगी यदि रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति केन्द्रीय माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम 138ड के निबंधनों में व्यतिक्रमी बना रहता है।

या

मैंने मामले के तथ्यों और ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा किए गए आवेदन/अनुरोधों पर ध्यानपूर्वक विचार किया है।

मैं निम्नलिखित आधारों पर ई-वे बिल को सृजित करने की सुविधा को अनिरुद्ध करने का आवेदन नामंजूर करता हूं:

- 1.
- 2.

हस्ताक्षर:

नाम:

पदनाम:

अधिकारिता:

पता:

टिप्पण: विस्तृत आदेश/कारण(कारणों) के लिए पृथक दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे।"

[फा. सं. 20/06/16/2018-जीएसटी]

रुचि बिष्ट, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में संख्यांक सा.का.नि. 610(अ), तारीख 19 जून, 2017 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्यांक 3/2017-केन्द्रीय कर तारीख 19 जून, 2017 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और संख्यांक सा.का.नि. 457(अ), तारीख 28 जून, 2019 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं. 31/2019-केन्द्रीय कर तारीख 28 जून, 2019 अंतिम संशोधन किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF INDIRECT TAXES AND CUSTOMS)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 2019

No. 33/2019–Central Tax

G.S.R. 513(E).—In exercise of the powers conferred by section 164 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

1. (1) These rules may be called the Central Goods and Services Tax (Fifth Amendment) Rules, 2019.
(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Central Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 12, in sub-rule (1A),-
(a) after the words “A person applying for registration to”, the words “deduct or” shall be inserted;
(b) after the words “in accordance with the provisions of”, the words and figures “section 51, or, as the case may be,” shall be inserted.
3. In the said rules, in rule 46, in the fourth proviso, with effect from the 1st day of September, 2019, after the words “Provided also that a registered person”, the words “, other than the supplier engaged in making supply of services by way of admission to exhibition of cinematograph films in multiplex screens,” shall be inserted.
4. In the said rules, in rule 54, after sub-rule (4), with effect from the 1st day of September, 2019, the following sub-rule shall be inserted, namely:-
“(4A) A registered person supplying services by way of admission to exhibition of cinematograph films in multiplex screens shall be required to issue an electronic ticket and the said electronic ticket shall be deemed to be a tax invoice for all purposes of the Act, even if such ticket does not contain the details of the recipient of service but contains the other information as mentioned under rule 46:
Provided that the supplier of such service in a screen other than multiplex screens may, at his option, follow the above procedure.”.
5. In the said rules, after rule 83A, with effect from such date as may be notified by the Central Government, the following rule shall be inserted, namely:-

“83B. Surrender of enrolment of goods and services tax practitioner.-

- (1) A goods and services tax practitioner seeking to surrender his enrolment shall electronically submit an application in **FORM GST PCT-06**, at the common portal, either directly or through a facilitation centre notified by the Commissioner.
- (2) The Commissioner, or an officer authorised by him, may after causing such enquiry as deemed fit and by order in **FORM GST PCT-07**, cancel the enrolment of such practitioner.”.
6. In the said rules, in rule 137, for the words “two years”, the words “four years” shall be substituted.

7. In the said rules, in rule 138E, in the first proviso,-

(a) after the words “Provided that the Commissioner may,” , the words, letters and figures “on receipt of an application from a registered person in **FORM GST EWB-05**,” shall be inserted;

(b) after the words “reasons to be recorded in writing, by order”, the words, letters and figures “in **FORM GST EWB-06**” shall be inserted.

8. In the said rules, after **FORM GST PCT -05**, with effect from such date as may be notified by the Central Government, the following forms shall be inserted, namely:-

“FORM GST PCT-06 [See rule 83B] APPLICATION FOR CANCELLATION OF ENROLMENT AS GOODS AND SERVICES TAX PRACTITIONER	
1. GSTP Enrolment No.	
2. Name of the GST Practitioner	<Auto Populated>
3. Address	< Auto Populated>
4. Date of effect of cancellation of enrolment	
<p>I hereby request for cancellation of enrolment as GST Practitioner for the reason(s) noted below:</p> <p>1.</p> <p>2.</p> <p>3.</p> <p style="text-align: center;">DECLARATION</p> <p>The above declaration is true and correct to the best of my knowledge and belief. I undertake that I shall continue to be liable for my actions as GST Practitioner before such cancellation.</p> <p style="text-align: right;">(SIGNATURE)</p> <p>Place:</p> <p>Date:</p>	

FORM GST PCT-07 [See rule 83B] ORDER OF CANCELLATION OF ENROLMENT AS GOODS AND SERVICES TAX PRACTITIONER	
1. GSTP Enrolment No.	
2. Name of the GST Practitioner	< Auto Populated>
3. Address	<Auto Populated>
4. No. and Date of application	
5. Date of effect of cancellation of enrolment	

Date: ”.

●

- [illegible]

11. In the said rules, after **FORM GST EWB-04**, the following forms shall be inserted, namely:-

"FORM GST EWB-05		
[See rule 138 E]		
Application for unblocking of the facility for generation of E-Way Bill		
1	GSTIN	<Auto>
2	Legal Name	<Auto>
3	Trade Name	<Auto>
4	Address	<Auto>
5	Facility of furnishing of information in Part A of FORM GST EWB 01 (i.e. facility for generation of E-Way Bill) blocked w.e.f.	<Auto>
6	Reasons of unblocking of facility for generation of E- Way Bill	<User input>
(i)		
(ii)		
(iii)		
7	Expected date for filing of returns for the period under default	<User input>

8. Verification

I hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorised Signatory
 Name
 Designation /Status

Date:

Place:

FORM GST EWB – 06	
[See rule 138 E]	
Reference No.:	Date:
To	
_____ GSTIN	
----- Name	
_____ Address	

Order for permitting / rejecting application for unblocking of the facility for generation of E-Way Bill

Application ARN:

Date:

The facility for generation of E- Way Bill was blocked in respect of the aforementioned registered person w.e.f. ----- in terms of rule 138E of the Central Goods and Services Tax Rules, 2017.

I have carefully considered the facts of the case and the application / submissions made by the aforementioned registered person.

I hereby accept the application and order for unblocking of the facility for generation of E-Way Bill on the following grounds:

- 1.
- 2.

Please note that the system will block the facility for generation of E-Way Bill after _____(date) if the registered person continues to be defaulter in terms of rule 138E of the Central Goods and Services Tax Rules, 2017.

OR

I have carefully considered the facts of the case and the application / submissions made by the aforementioned registered person.

I hereby reject the application for unblocking the facility for generation of E-Way Bill on following grounds:

- 1.
- 2.

Signature:**Name:****Designation:****Jurisdiction:****Address:**

Note: Separate document may be attached for detailed order / reason(s).”.

[F. No. 20/06/16/2018-GST]

RUCHI BISHT, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* notification No. 3/2017-Central Tax, dated the 19th June, 2017, published *vide* number G.S.R. 610(E), dated the 19th June, 2017 and last amended *vide* notification No. 31/2019-Central Tax, dated the 28th June, 2019, published *vide* number G.S.R. 457(E), dated the 28th June, 2019.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 2019

सं. 34/2019-केन्द्रीय कर

सा.का.नि. 514(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) की धारा 148 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में संख्यांक सा.का.नि. 322(अ), तारीख 23 अप्रैल, 2019 द्वारा प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्यांक 21/2019-केन्द्रीय कर, तारीख 23 अप्रैल, 2019 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में के पैरा 2 में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु अप्रैल, 2019 से जून, 2019 तक की तिमाही या उसके भाग के लिए उक्त **प्ररूप जीएसटी सीएमपी-08** में स्वनिर्धारित कर के संदाय के ब्यौरे अंतर्विष्ट करते हुए विवरण देने की देय तारीख 31 जुलाई, 2019 होगी।”

[फा. सं. 20/06/16/2018-जीएसटी]

रुचि बिष्ट, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना संख्यांक 21/2017-केन्द्रीय कर, तारीख 23 अप्रैल, 2019 भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 322(अ), तारीख 23 अप्रैल, 2019 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 2019

No. 34/2019–Central Tax

G.S.R. 514(E).—In exercise of the powers conferred by section 148 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017), the Central Government, on the recommendations of the Council, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 21/2019-Central Tax, dated the 23rd April, 2019, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 322(E), dated the 23rd April, 2019, namely:—

In the said notification, in paragraph 2, the following proviso shall be inserted, namely: —

“Provided that the due date for furnishing the statement containing the details of payment of self-assessed tax in said **FORM GST CMP-08**, for the quarter April, 2019 to June, 2019, or part thereof, shall be the 31st day of July, 2019.”

[F. No. 20/06/16/2018-GST]

RUCHI BISHT, Under Secy.

Note : The principal notification No. 21/2019-Central Tax, dated the 23rd April, 2019 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 322(E), dated the 23rd April, 2019.